दबंग दुनिया 1/2/2020

प्रशासकीय सेवा में उच्च पदों पर चयनित विद्यार्थी सम्मानित

डीएवीवी के प्रशासकीय कार्यालय नालंदा परिसर में मना बसंत उत्सव

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के प्रशासकीय कार्यालय नालंदा परिसर आरएनटी मार्ग के मां अहिल्या दरबार सभागृह में बसंत उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति रेणु जैन, कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. अजय वर्मा व विशेष अतिथि छात्र कल्याण डीन प्रोफेसर लक्ष्मीकांत त्रिपाठी के आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

इस मौके पर कुलपति रेणु जैन ने महात्मा गांधी की पीठ स्थापना की विधिवत घोषणा की और विश्वविद्यालय ग्रंथालय में अध्ययनरत प्रशासकीय सेवाओं में उच्च पदों पर नियुक्त विद्यार्थियों का सम्मान उन्हें पीतांबर अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न भेंट कर किया गया। वहीं कुलसचिव के प्रस्ताव पर कुलपति द्वारा ओपन ग्रंथालय प्रारंभ करने की औपचारिक घोषणा की गई। प्रो. रेखा आचार्य ने महात्मा गांधी पीठ के बारे में विस्तृत जानकारी दी और अतिथियों ने ब्रोशर का लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय कर्मचारी दीपक जोशी और उनके साथियों ने मां सरस्वती की वंदना व संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी। सम्मानित विद्यार्थियों ने अपनी सफलता के लिए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय और ग्रंथालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों के सहयोग पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रमेश कुशवाहा ने किया।

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला की एलुमनाई मीट 9 को

इंदौर। पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय और यहां के विद्यार्थियों ने पत्रकारिता जगत में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। 1984 में स्थापना के बाद से आज तक यहां से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी देश के बड़े मीडिया संस्थानों में कार्यरत हैं। इनके जीवन से जुड़ी यादों को दोबारा साझा करने और जूनियर्स को अपने सीनियर्स को मार्गदर्शन देने के मकसद से 9 फरवरी सुबह 9.30 बजे से पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला की एलुमनाई मीट का आयोजन किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुदे ने बताया कि इस मीट का आयोजन स्थापना दिवस से लेकर अभी तक के स्टूडेंट्स के लिए किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर 1/2/2020

यूनिवर्सिटी में शुरू होगा हथकरघा कोर्स

इंदौर। जिस तरह से टेक्नोलॉजी नए-नए रूप में सामने आ रही है, उससे पूंजी संबंधित काम तो हो रहे हैं, लेकिन जीवन और जटिल होता जा रहा है। पहले इंसान को रोबोट की तरह बनाने की कोशिश की गई थी, लेकिन इसमें सफल नहीं हो पाए तो आधुनिक रोबोट बनाए जा रहे हैं। तकनीकी कई मायनों में विनाश का काम कर रही है। यह कहना है वरिष्ठ गांधीवादी चिंतक और समाजसेवी चिन्मय मिश्र का। गुरुवार को देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के समाज विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा महात्मा गांधी पीठ की स्थापना की गई। इस दिन स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस के डॉ. रमानी हॉल में परिचर्चा में मुख्य वक्ता चिन्मय मिश्र और विशिष्ट वक्ता अनिल भंडारी थे। कुलपति रेणु जैन ने कार्यक्रम में हथकरघा कोर्स शुरू करने की घोषणा भी की।

चिन्मय मिश्र का कहना था कि महात्मा गांधी ने हिंदी भाषा को बढ़ाने के लिए काफी कोशिश की थी। यूनिवर्सिटी में अगर हिंदी का अलग से विभाग शुरु हो जाता है तो इससे हिंदी विषय का विस्तार होगा और रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों को विस्तार से पढ़ाई करने के साधन उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि शहर को करीब 100 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। शहर को विस्तार देने के साथ पानी की पूर्ति कैसे की जाएगी इसकी ठोस योजना बनाने की जरूरत है।